

डॉ. जॉन ओसवाल्ट, किंग्स, सत्र 21, भाग 1

2 राजा 8-9, भाग 1

© 2024 जॉन ओसवाल्ट और टेड हिल्डेब्रांट

नमस्ते, हम राजाओं की पुस्तकों का अध्ययन जारी रख रहे हैं। हम एलिय्याह और एलीशा की सेवकाईयों पर गहनता से विचार कर रहे हैं। अब, हम आज के अध्ययन से शुरुआत करते हैं ताकि थोड़ा मोड़ लिया जा सके।

हम पिछले दो या तीन सत्रों में एलीशा की सेवकाई पर विशेष रूप से ध्यान दे रहे हैं। और यह उन लोगों के लिए सकारात्मक है जो परमेश्वर की सेवा कर रहे हैं और उन लोगों के लिए नकारात्मक है जो नहीं करेंगे। और अब एक अर्थ में हम इन सब के निष्कर्ष पर पहुँच रहे हैं।

आइए हम गोता लगाने से पहले प्रार्थना करें।

प्रिय स्वर्गीय पिता, हम आपका धन्यवाद करते हैं क्योंकि हमारा समय आपके हाथों में है। आप महान ईश्वर हैं।

तुम ही हो जो ब्रह्मांड पर राज करते हो। तुम ही हो जो प्रेम हो। यह सोचकर कितनी खुशी होती है, कितनी खुशी होती है कि जिसके हाथों में हम हैं वह प्रेम है।

हमारे लिए आपकी हर चिंता हमारे लिए सबसे बेहतर है। आपकी प्रशंसा करें। हम दुनिया में उथल-पुथल को देखते हैं। हम कठिनाइयों को देखते हैं। हम समस्याओं को देखते हैं। और हम महसूस करते हैं, हे प्रभु, कि फिर से, आप नियंत्रण में हैं।

और ऐसी चीजें हैं जो हमारे साथ हो रही हैं जो हमारे द्वारा आपके लिए चुने गए विकल्पों के विपरीत हमारी पसंद का परिणाम हैं। हे प्रभु, आपका धन्यवाद कि आप उन चीजों से प्रभावित नहीं हैं। हमारे विद्रोह के लिए धन्यवाद; हमारी विफलता आपके लिए ऐसी समस्या प्रस्तुत नहीं करती है जिससे आप निपटने, नियंत्रण करने, उपयोग करने और अंततः आशीर्वाद देने में असमर्थ हों।

आपकी स्तुति हो। आज जब हम पवित्रशास्त्र के इस अंश को देखेंगे तो हमारी मदद करें। हमें इसकी सच्चाई, इसकी शाश्वत सच्चाई को देखने में मदद करें, और आज हम में से हर एक के लिए आपका वचन सुनने में भी हमारी मदद करें। और हम आपके नाम पर आपका धन्यवाद करेंगे। आमीन।

हम अध्याय 8, श्लोक 7 से अध्याय 9:13 तक देख रहे हैं।

और वे दो नियुक्तियों के साथ बुक किए गए हैं। याद रखें कि 1 राजा में, जब एलिय्याह पूरी तरह से उदास था, अपने जीवन के लिए भयभीत था, और भाग रहा था, तो परमेश्वर ने कहा, नहीं, नहीं, मेरे पास अभी भी तुम्हारे लिए एक मंत्रालय है। मैं चाहता हूँ कि तुम तीन काम करो।

मैं चाहता हूँ कि तुम सीरिया के राजा हजाएल का अभिषेक करो। याद रखो, सीरिया का केंद्र दमिश्क है, जो गलील सागर के उत्तर-पूर्व में है। मैं चाहता हूँ कि तुम सीरिया के राजा हजाएल का अभिषेक करो।

फिर मैं चाहता हूँ कि तुम इस्राएल के राजा येहू का अभिषेक करो। और मैं चाहता हूँ कि तुम एलीशा को बुलाओ। बहुत से विद्वान आश्चर्य करते हैं, ठीक है, एलिय्याह ने ये तीन काम नहीं किए।

उसने सिर्फ एक ही काम किया। उसने सिर्फ एलीशा का अभिषेक किया। उसने सिर्फ एलीशा को अपने पीछे चलने के लिए बुलाया।

तो, क्या वह असफल हो गया? खैर, फिर से, जैसा कि मैंने कई बार कहा है, हमें बाइबल में जो नहीं कहा गया है, उसे कहने में थोड़ी सावधानी बरतनी चाहिए। बाइबल में यह नहीं कहा गया है कि वह असफल हो गया। उस पर न्याय का कोई अर्थ नहीं है।

दूसरी ओर, बाइबल यह नहीं कहती कि, ठीक है, उसे यही करना चाहिए था। लेकिन मेरा मानना है कि एलीशा का अभिषेक करके, उसने एलीशा को स्पष्ट रूप से सिखाया कि उसे क्या करना चाहिए क्योंकि इस अंश में परमेश्वर द्वारा एलीशा को अतिरिक्त निर्देश देने का कोई अर्थ नहीं है।

वह बस इसे पूरा करता है। मुझे लगता है कि, वास्तव में, एलिय्याह के जीवनकाल के दौरान समय पूरा नहीं हुआ था। और इसलिए, यह दोहरा मंत्रालय एलिय्याह और फिर बाद में एलीशा का मंत्रालय नहीं है, और एक बेहतर है, और एक बदतर है।

नहीं, मेरा मानना है कि यह एक ही मंत्रालय है, एलिय्याह-एलीशा मंत्रालय। और जब एलीशा इन दो नियुक्तियों, हेज़ल और येहू को पूरा करता है, तो वह उनके मंत्रालय के लिए परमेश्वर की योजना को पूरा कर रहा है। आइए सबसे पहले सीरिया के राजा हेज़ल की नियुक्ति पर नज़र डालें।

सातवीं आयत में, एलीशा दमिश्क गया, और अराम का राजा बेन-हदद बीमार था। जब राजा को परमेश्वर के आदमी के बारे में बताया गया, तो याद रखें कि हमने यहाँ तक क्या कहा: कुल मिलाकर, एलिय्याह और एलीशा को भविष्यद्वक्ता नहीं कहा जाता। उन्हें परमेश्वर के आदमी कहा जाता है।

मुझे लगता है कि ईश्वर के आदमी की बात और भी गहरी है। पैगंबर एक तरह का पेशा है। ईश्वर के आदमी वही हैं जो वे हैं।

भगवान का आदमी यहाँ तक आया है। उसने हेज़ल से कहा, अपने साथ एक उपहार ले लो। भगवान के आदमी से मिलने जाओ।

उसके माध्यम से यहोवा से सलाह लें। उससे पूछें, क्या मैं इस बीमारी से ठीक हो जाऊंगा? यह दिलचस्प है कि बेन-हदद एक ऐसे ईश्वर से सलाह ले रहा है जो उसके लिए विदेशी है। याद रखें कि अहज्याह ने एक्रोन के देवता बेलज़ेबूब से सलाह लेने की कोशिश की थी, जो एक विदेशी देवता था।

लेकिन अब, इस मामले में, विदेशी देवता दमिश्क में आ गए हैं। मुझे लगता है इसका मतलब है कि बेन-हदद ने एलीशा के साथ अपने मुठभेड़ों और पिछले कुछ सालों में एलीशा के साथ अपनी सेना के साथ मुठभेड़ों से कुछ सबक सीखे हैं। और इसलिए, वह कहता है, जाओ, पूछो, पूछो कि क्या मैं इस बीमारी से बच पाऊंगा।

इसलिए हजाएल, दमिश्क के सभी बेहतरीन सामानों से भरे 40 ऊँटों का एक उपहार लेकर एलीशा से मिलने गया। हे भगवान। वह अंदर गया और उसके सामने खड़ा हुआ और कहा, आपके बेटे, अराम के राजा बेन-हदद ने मुझे यह पूछने के लिए भेजा है, क्या मैं इस बीमारी से ठीक हो जाऊंगा? अब एलीशा ने उसे उत्तर दिया, और उसने कहा, हाँ, उससे कहो कि वह निश्चित रूप से ठीक हो जाएगा।

लेकिन प्रभु ने मुझे बताया है कि, वास्तव में, वह मर जाएगा। अब, क्या एलीशा यहाँ झूठ बोल रहा है? क्या वह सच को तोड़-मरोड़ रहा है? वास्तव में, मुझे नहीं लगता कि वह ऐसा कर रहा है। अपने आप पर छोड़ दिया जाए तो बेन-हदद ठीक हो जाएगा।

यह बीमारी अंतिम नहीं है। लेकिन एलीशा कहती है, लेकिन मुझे पता है कि वह मरने वाला है। मुझे लगता है कि इससे हमें यह समझ में आता है कि हेज़ल ने ऐसा क्यों किया।

हमें याद है कि अगले दिन हजाएल ने एक तकिया भिगोया और उसे बेन-हदद के चेहरे पर रख दिया। हाँ, अगर उसे अकेला छोड़ दिया जाता, तो बेन-हदद ठीक हो जाता और हजाएल राजा नहीं बन पाता। लेकिन बेन-हदद मरने वाला है क्योंकि हेज़ल उसे मारने वाली है।

वह उसे घूरता रहा, यह श्लोक 11 है, एक स्थिर निगाह से जब तक कि हेज़ल शर्मिंदा नहीं हो गई। फिर, परमेश्वर का आदमी रोने लगा। मुझे पता है कि तुम क्या करने जा रहे हो।

मैं समझ गया कि तुम क्या करने जा रहे हो। याद करो अध्याय तीन में, हमने इस बारे में थोड़ी बात की थी। एलीशा ने कहा था कि तुम लोग मोआब जाओगे।

तुम हर कुँए को बंद कर दोगे। तुम हर खेत को पत्थरों से ढक दोगे। तुम हर अच्छे पेड़ को काट दोगे।

वाह, क्या यह एक निर्देश था कि उन्हें ऐसा करना चाहिए? नहीं, एलीशा बस पहचानता है कि आप क्या करने जा रहे हैं। अब, निश्चित रूप से, इससे उन्हें वास्तव में समझ मिल गई होगी। खैर, हमारे लिए यह ठीक है कि हम वही करें जो हम करना चाहते हैं।

मैं इस पर बहस नहीं करूँगा। लेकिन यहाँ फिर से, एलीशा किसी भी तरह से हेज़ल को ये सब करने का आदेश नहीं दे रहा है। वह बस एक ऐसा व्यक्ति है जो भविष्य देख सकता है, और कह रहा है, मुझे पता है कि तुम क्या करने जा रही हो।

तुम उनके किलेबंद स्थानों में आग लगाने जा रहे हो। तुम उनके नौजवानों को तलवार से मार डालोगे, उनके छोटे बच्चों को ज़मीन पर पटक दोगे, गर्भवती महिलाओं को चीर दोगे। अब, मैं चाहता हूँ कि तुम श्लोक 13 पर ध्यान दो।

मैं चाहता हूँ कि आप ध्यान दें कि हेज़ल क्या नहीं कहता और क्या कहता है। फिर से, आदमी की पहचान। आपका नौकर, एक साधारण कुत्ता, ऐसा काम कैसे कर सकता है? अब, याद रखें, हिब्रू बाइबिल में एक कुत्ता मनुष्य का सबसे अच्छा दोस्त नहीं है।

वे गिद्धों की तरह हैं। वे सड़ा हुआ मांस खाते हैं। वे समाज के किनारे पर घूमते रहते हैं।

आप अपने छोटे बच्चे को सड़क पर नहीं छोड़ना चाहेंगे, नहीं तो कुत्ते उसे खा जाएँगे। मैं तो बस एक कुत्ता हूँ। मैं कोई नहीं हूँ।

मैं इतना महान काम कैसे कर सकता हूँ? वह यह नहीं कहता कि मैं इतना बुरा काम कैसे कर सकता हूँ? वह यह नहीं कहता कि मैं इतना भयानक काम कैसे कर सकता हूँ? वह कहता है, अरे, मैं तो कुछ भी नहीं हूँ। मैं ऐसा महान काम कैसे कर सकता हूँ? आप देखिए, सी.एस. लुईस अपने एक लेख में कहते हैं, क्षमा करें, नहीं, यह सी.एस. लुईस नहीं है। यह उपन्यासकार पैट्रिक ओ'ब्रायन है।

वह कहते हैं कि वास्तव में, एक व्यक्ति शुरू में केवल मनुष्य होता है और फिर वह एक चरित्र बन जाता है। हाँ, हाँ। हम जो बनने जा रहे हैं, उसमें विकसित हो रहे हैं और अंत में, हम अपने द्वारा बनाए गए स्वरूप के अलावा कुछ भी नहीं बन पाएँगे, सिवाय ईश्वर के चमत्कार के।

आप कौन बन रहे हैं? आप खुद को कौन बना रहे हैं? क्या आप पवित्र आत्मा की शक्ति का लाभ उठा रहे हैं? क्या आप दुनिया में रह रहे हैं? क्या आप प्रार्थना में जी रहे हैं? क्या आप ईश्वर को अपने चरित्र को आकार देने की अनुमति दे रहे हैं? खैर, मैं ऐसा कैसे कर सकता हूँ? प्रभु ने मुझे दिखाया है कि आप अराम के राजा बनेंगे। फिर से, ध्यान दें कि वह यह नहीं कह रहा है कि प्रभु ऐसा चाहते हैं या प्रभु ऐसा करने जा रहे हैं। मैंने देखा है कि यह बारीक रेखाएँ हैं।

किसी चीज़ को जानने और किसी चीज़ पर हुक्म चलाने के बीच बहुत बारीक रेखाएँ होती हैं। और इसलिए, हेज़ल को अपना मौक़ा दिख गया। वह वापस चला गया।

एलीशा ने तुमसे क्या कहा? हेज़ल ने जवाब दिया। उसने मुझसे कहा कि तुम ज़रूर ठीक हो जाओगी। अगर उसे अकेला छोड़ दिया जाता, तो वह ठीक हो जाता।

और हेज़ल को यह बात पता है। अगर हेज़ल राजा बनने जा रहा है, तो उसे मामले को अपने हाथों में लेना होगा। ओह माय।

फिर से, अपने जीवन को अपने हाथों में लेने और दूसरी ओर, अपने हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहने और ईश्वर पर भरोसा करने के बीच एक बहुत ही महीन रेखा है। हेज़ल ने पहला विकल्प चुना। मैं ऐसा करने जा रहा हूँ।

भगवान ने कहा है, यहोवा ने कहा है, मैं अगला राजा बनने जा रहा हूँ। उसने यह भी कहा है कि यह बूढ़ा आदमी हमेशा के लिए जीवित रहेगा। खैर, मैं इस तरह से इंतज़ार नहीं कर सकता।

मैं मामले को अपने हाथों में लेने जा रहा हूँ। आप और मैं कितनी आसानी से ऐसा करते हैं। आप जानते हैं, जब कोई जहाज, कोई पाल वाला जहाज, बंदरगाह छोड़ना चाहता था, और हवाएँ हल्की और परिवर्तनशील थीं, तो आपको जो करना था वह उस क्षण का इंतज़ार करना था जब ज्वार बदलना और कम होना शुरू हो।

यही वह क्षण है जब आपको घाट से बांधने वाली रस्सियों को खोलना चाहिए और ज्वार को आपको समुद्र में ले जाने देना चाहिए जहाँ अधिक हवा थी। और इसलिए, कवि ने कहा, एक क्षण ऐसा आता है जब आपको अपनी ज्वार को पकड़ना चाहिए। और यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, यदि आप अपनी ज्वार को चूक जाते हैं, तो आपको 12 घंटे तक इंतज़ार करना होगा जब तक कि यह फिर से बाहर न आ जाए।

ओह, कितनी आसानी से तुम और मैं उस गड्ढे में गिर जाते हैं। ओह, यह मेरा मौका है। मुझे अब यह करना है।

नहीं, आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। आपको जो करना है वह यह है कि जब भगवान जाने के लिए कहें तो आपको संवेदनशील होना चाहिए। अब, भगवान शायद आपको बता रहे हैं कि यह आपका अवसर है।

मैं तुम्हारे साथ हूँ। चलो चलते हैं। लेकिन भगवान अक्सर इसके विपरीत होता है।

क्या आपने इस पर गौर किया है? परमेश्वर को ऐसे काम करना पसंद है जो क्रम से न किए जाएं और यह प्रदर्शित करें कि उसने ऐसा किया है, न कि हमने। तो फिर से, हेज़ल, मैं अगला राजा बनने जा रहा हूँ। यह बूढ़ा आदमी हमेशा के लिए जीवित रहने वाला है।

उसे मार डालो। क्या परमेश्वर चाहता था कि वह ऐसा करे? क्या परमेश्वर चाहता था कि वह बेन-हदाद को मार डाले? फिर से, बाइबल ऐसा नहीं कहती। और हमें थोड़ा सावधान रहना चाहिए, लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता।

मुझे लगता है कि भगवान ने हेज़ल को यहोवा पर भरोसा दिलाया था। मुझे लगता है कि भगवान के पास इस बात को लाने का एक और तरीका था। लेकिन भगवान जानते थे कि हेज़ल कौन थी।

और इसलिए, इस कार्य से, वह ठीक हो जाएगा, लेकिन आप अगले राजा बनने जा रहे हैं। जेम्स कहते हैं कि हमने इस बारे में पहले भी बात की है। जेम्स कहते हैं, हिम्मत मत करो कि तुम कहो कि भगवान ने तुम्हें परीक्षा में डाला।

तुम यह कहने की हिम्मत मत करो कि परमेश्वर ने तुम्हें बुरे काम करने के लिए प्रेरित किया। दूसरी ओर, परमेश्वर हमारी परीक्षा लेता है। वह हमारे लिए परीक्षाएँ निर्धारित करता है।

ऐसे परीक्षण जिनमें हम असफल हो सकते हैं। इसलिए मैं हेज़ल के बारे में नहीं जानता, लेकिन मैं अपने बारे में जानता हूँ, और मैं आपके बारे में भी जानता हूँ। क्या आप उस पर भरोसा करेंगे? क्या आप उसका इंतज़ार करेंगे? क्या आप उसके मार्गदर्शन का पालन करेंगे? आप कहते हैं, ठीक है, यह आसान नहीं है।

वह टेलीग्राम नहीं भेजता। यह सच है। यह सच है।

लेकिन हम अपनी पूरी क्षमता से कह सकते हैं, भगवान, मैं तब तक आगे नहीं बढ़ूंगा जब तक मुझे यह स्पष्ट रूप से पता न चल जाए कि आप मुझे कहां ले जा रहे हैं। यह समझी बिल्कुल स्पष्ट हो सकती है, है न? शायद थोड़ी धुंधली, लेकिन अंत में हम कह सकते हैं, मुझे लगता है कि भगवान यही चाहते हैं। उनके वचन के आधार पर, दूसरों की सलाह के आधार पर, मेरे आंतरिक प्रभावों के आधार पर, सब कुछ एक साथ।

मुझे लगता है कि भगवान यही चाहते हैं। ओह, ओह, इसके लिए प्रतीक्षा करें। इसके लिए प्रतीक्षा करें।

तो, हजाएल सीरिया का राजा बन जाता है। और किताब के अगले अध्यायों में, हम देखेंगे कि हजाएल और भी ताकतवर होता जा रहा है। वह इजरायल पर हमला करता है, यहाँ तक कि यरूशलेम पर भी हमला करता है।

और याद करो परमेश्वर ने एलिय्याह से क्या कहा था? ओह, इस्राएल के पाप की सज़ा दी जाएगी। और मेरा एक औज़ार हेज़ल होगा। और निश्चित रूप से, यही होने वाला है।